

पद १४१

(राग: भैरवी - ताल: त्रिताल)

जनकराज पूछे दो बालक को ।।ध्रु.।। कवन नगर इनका कहाँ
ठिकाना । कहाँ के कुंवर ये जो धनभाग जीको ।।१।। मानिक कहे
प्रभु तुमरे स्वरूप को । देखत जनक का मोहे मन जी को ।।२।।